Publication: **Hindustan** | Region: **Delhi** | Date: **13/04/2014** | Page No.: **15**

# लंबी अवधि के वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करता है यूलिप

अनूप राउ
सीईओ, रिलायंस लाइफ इंश्योरेंस

**यूनिट** लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूलिप) एक जीवन बीमा उत्पाद है, जो सुरक्षा के साथ-साथ बचत का दोहरा फायदा देता है। इसमें सुरक्षा के लिए बीमा कवर होता है, जबकि प्रीमियम का वह हिस्सा, जिसे बीमा कंपनी द्वारा निवेश किया जाता है वह बचत होती है। इसका निवेश आपकी पसंद के हिसाब से होता है। पहली को मृत्यु लाभ और दूसरे को परिपक्वता लाभ कहा जाता है। दरअसल, लंबी अवधि के वित्तीय लक्ष्यों को पाने में यूलिप आपकी मदद करता है। इसमें बीमा कंपनी आपकी जरूरत के हिसाब से नियमित अंतराल पर निवेश करती है।

लंबी अवधि की योजना होने के लिहाज बीमा कर्ता छोटी अवधि में बाजार के उतार-चढ़ाव से भी आपके निवेश की सुरक्षा करता है। यूलिप में लचीलापन और पारदर्शिता के अपने फायदे हैं। इसमें निवेश पोर्टफोलियो को मासिक आधार पर और नेट असेट वैल्यू (एनएवी) को प्रतिदिन के आधार पर घोषित किया जाता है। ज्यादातर यूलिप आपको अपनी जरूरत के हिसाब से विभिन्न परिसंपत्तियों से जुड़े फंड में निवेश की पेशकश करते हैं। इसके अलावा आपको अपने जोखिम उठाने की क्षमता और बदलते बाजार परिदृश्य के आधार पर अपने निवेश को प्रबंधित करने की छूट मिलती है।

## कैसे करता है काम

यूलिप की खरीदारी के पहले यह जान लेना आवश्यक है कि यह कैसे काम करता है। यूलिप में दो तत्व होते हैं। एक- सुरक्षा और दूसरा बचत। अब बीमा कर्ता आपके प्रीमियम में आपके द्वारा चुने गए विकल्प के मुताबिक निश्चित हिस्सा बांटता है, जो निवेश और जीवन बीमा पर आधारित होता है। इसे प्रीमियम आवंटन शुल्क कहते है, जो अलग-अलग पॉलिसी में भिन्न-भिन्न होता है। शेष प्रीमियम को आपके द्वारा चुने गए फंड में निवेश किया जाता है, जो विभिन्न परिसंपत्तियों की श्रेणी पर आधारित होते हैं। इसके अलावा मर्त्यता (औसत मृत्यु दर) शुल्क और पॉलिसी का प्रशासनिक शुल्क नियमित अवधि के हिसाब से काटी जाती है, जबकि आपके फंड का प्रबंधन शुल्क एनएवी प्रतिदिन के हिसाब से एनएवी से समायोजित किया जाता है। इसकी सबसे खास बात यह है कि आप खुद अपने निवेश को नियंत्रित करते हैं। इसमें आप तय करते हैं कि किस परिसंपत्ति में कितना निवेश करना है। साथ ही आप बाजार में जोखिम उठाने की अपनी क्षमता और परिस्थितियों के लिहाज से प्रीमियम के आवंटन का निर्देश दे सकते हैं।

लाह

## जरूर जानें

यूलिप का रिटर्न बाजार से जुड़ा है और इसमें रिटर्न की कोई गारंटी नहीं होती। इसलिए आपको अपने वित्तीय सलाहकार कुछ वक्त दें ताकि वह आपकी वित्तीय जोखिम उठाने की क्षमता को परखकर सही फंड का चुनाव कर सके। आपको वित्तीय सलाहकार द्वारा बताए गए रिटर्न पर पूरा ब्योरा जानना चाहिए। इसके अलावा बाजार की बदलती परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए आप एक फंड से दूसरे फंड में स्विच भी कर सकते हैं। इस सुविधा से आप अपने निवेश के जोखिम को कम कर सकते हैं।